हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 100 जौनपुर, शुक्रवार 05 जनवरी 2024 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

मंत्री अमित शाह ने तुअर दाल खरीद मंच किया पेश, किसानों को पहुंचेगा लाभ

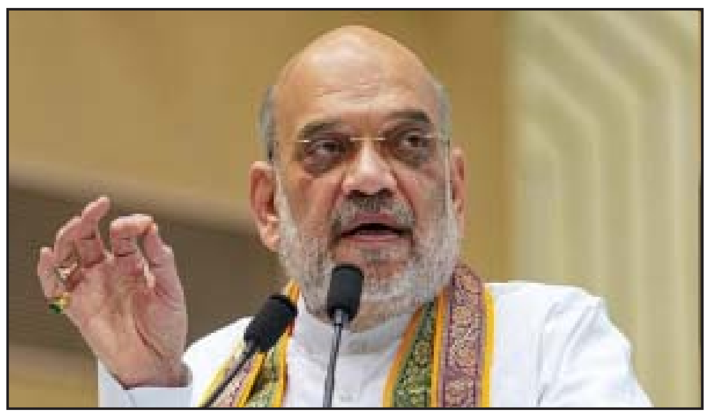

एजेन्सी

नयी दिल्ली। सहकारिता मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को तुअर दाल खरीद मंच पेश किया और कहा कि दिसंबर 2027 तक देश को दालों में आत्मनिर्भर बन जाना चाहिए। हम जनवरी 2028 से एक किलोग्राम दाल भी आयात नहीं करेंगे। इस मंच पर किसान पंजीकरण करा सकते हैं और अपनी उपज को न्यूनतम समर्थन मूल्य या बाजार मूल्य पर एनएएफईईडी और एनसीसीएफ को बेच सकते हैं। शाह ने आगे कहा कि भविष्य में उड़द और मसूर दाल के किसानों के साथ–साथ मक्का किसानों के लिए भी इसी तरह की सुविधा शुरू की जाएगी। मंत्री ने मंच के माध्यम से तुअर की बिक्री के भुगतान के लिए 25 किसानों को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के जरिए करीब 68 लाख रुपये हस्तांतरित भी किए। सहकारी राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ लिमिटेड (एनएएफईईडी) और भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता महासंघ लिमिटेड (एनसीसीएफ) बफर भंडार बनाए रखने के लिए सरकार की ओर से दालों की खरीद का काम करते हैं। बुआई से पहले तुअर किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर एनएएफईईडी और एनसीसीएफ को अपनी उपज बेचने के लिए मंच पर पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकृत तुअर किसानों के पास एनएएफईईडी,एनसीसीएफ या खुले बाजार में बेचने का विकल्प होगा। अगर तुअर दाल का खुले बाजार में मूल्य एमएसपी से अधिक रहता है, तो उस स्थिति में एक विधि के जरिए औसत दर निकाली जाएगी। इसके अलावा मंत्री ने कहा कि अधिक किसान दालों की खेती नहीं कर रहे हैं क्योंकि कीमतें सुनिश्चित नहीं हैं। मंच के जरिए खरीद के साथ यह पहल कृषि क्षेत्र में एक बड़ा सुधार लाएगी और दालों के उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने में मदद करेगी। तुअर की खरीद किसानों से की जाएगी और यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी है। देश अब भी चना और मूंग को छोड़कर कई प्रकार की दालों के लिए आयात पर निर्भर है। दिसंबर 2027 तक देश को दालों में आत्मनिर्भर बन जाना चाहिए। हम जनवरी 2028 से एक किलोग्राम दाल भी आयात नहीं करेंगे। प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस), किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) तथा प्रगतिशील किसानों से मंच के बारे में जागरूकता फैलाने और किसानों को इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य में दो गुना से अधिक की वृद्धि के दम पर पिछले 10 वर्षों में दालों का उत्पादन 2013–14 फसल वर्ष (जुलाई–जून) में 1.92 करोड़ टन से बढ़कर 2022–23 में 2.605 करोड़ टन हो गया है। हालांकि, दालों का घरेलू उत्पादन अब भी खपत से कम है और आयात पर निर्भर है। इस कार्यक्रम में कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा, सहकारिता राज्य मंत्री बीएल वर्मा और उपभोक्ता मामलों के राज्य मंत्री अश्विनी चौबे भी उपस्थित रहे।

अयोध्या में भगवान राम के स्वागत से संपूर्ण देश प्रसन्न : पीएम मोदी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरूवार को कहा कि अयोध्या में भगवान श्री राम के स्वागत के लिए हर कोई अलग–अलग रूप से अपनी भावनाएं व्यक्त कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पूरे देश में उत्साह है और भक्त इस शुभ दिन पर राम लला की भक्ति में मगन हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान भगवान श्री राम को समर्पित हंसराज रघुवंशी का भजन भी साझा किया। अपने एक एक्स पोस्ट में प्रधानमंत्री ने पोस्ट किया, "अयोध्या में प्रभु श्री राम के स्वागत को लेकर संपूर्ण देश राममय है। राम लला की भक्ति में डूबे भक्तजन इस शुभ दिन के लिए विभिन्न प्रकार से अपनी भावनाएं प्रकट कर रहे हैं। भगवान श्री राम को समर्पित हंसराज रघुवंशी जी का ये भजन सुनें। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर राम भजन का एक लिंक भी साझा किया है और लोगों से राम भजन को सुनने की अपील की।

देश के आठ प्रमुख शहरों में 2023 में घरों की बिक्री 33 प्रतिशत बढ़कर 4.11 लाख इकाई

एजेन्सी

नयी दिल्ली। देश के आठ प्रमुख शहरी बाजारों में 2023 में घरों की बिक्री 33 प्रतिशत बढ़कर लगभग 4.11 लाख इकाई हो गई। आवास ब्रोकरेज फर्म प्रॉपटाइगर के अनुसार, इन शहरों में इस दौरान नए घरों की आपूर्ति 20 प्रतिशत बढ़कर रिकॉर्ड 5.17 लाख इकाई पर पहुंच गई। हाउसिंग.कॉम के स्वामित्व वाली आरईए इंडिया का हिस्सा प्रॉपटाइगर ने बृहस्पतिवार को 'रियल इनसाइट रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के अनुसार, पिछले साल आठ प्रमुख शहरों में आवास बिक्री 33 प्रतिशत बढ़कर 4,10,791 इकाई हो गई, जो 2022 में 3,08,942 इकाई थी। फर्म ने कहा कि 2013 के बाद यह सर्वाधिक आंकड़ा है। 2013 में रिकॉर्ड 4,50,361 घर बिके थे। इस दौरान नए घरों की आपूर्ति 20 प्रतिशत बढ़कर 5,17,071 इकाई हो गई, जो 2022 में 4,31,510 इकाई थी।आरईए इंडिया के समूह मुख्य वित्त अधिकारी (सीएफओ) विकास वाधवान ने कहा, "बढ़ती ब्याज दरें, बढ़ती लागत और वैश्विक अनिश्चितताओं जैसी शुरुआती चुनौतियों के बीच रियल एस्टेट की कीमतों में बढ़ोतरी के बावजूद उद्योग ने असाधारण मजबूती का प्रदर्शन किया। कोविड–19 महामारी के बाद दबी मांग ने एक प्रमुख उत्प्रेरक के रूप में काम किया, जिसने संपत्ति बाजार को अभूतपूर्व

स्तर तक पहुंचा दिया।" उन्होंने कहा कि दरों में बढ़ोतरी रोकने के भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के फैसले ने खरीदार का विश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पिछले साल के बिक्री आंकड़ों की 2022 से तुलना करें तो मुंबई में आवास बिक्री 29 प्रतिशत बढ़कर 1,41,480 इकाई हो गई, जो 2022 में 1,09,677 इकाई थी। नए घरों की आपूर्ति आठ प्रतिशत बढ़कर 1,78,684 इकाई हो गई, जो 2022 में 1,65,634 इकाई थी। पुणे में घरों की बिक्री 2022 के 62,029 से 33 प्रतिशत बढ़कर 2023 में 82,696 इकाई हो गई। यहां नए घरों की संख्या 75,309 से 40 प्रतिशत बढ़कर 1,05,698 इकाई हो गई। अहमदाबाद में घरों की बिक्री 2022 के 27,314 से 51 प्रतिशत बढ़कर 2023 में 41,327 इकाई हो गई। नए घरों की संख्या 32,663 इकाई से 71 प्रतिशत बढ़कर 55,877 इकाई हो गई। बेंगलुरु में घरों की बिक्री 2022 के 30,467 से 44 प्रतिशत बढ़कर 2023 में 44,002 इकाई हो गई। नए घरों की आपूर्ति 42,215 इकाई से 14 प्रतिशत बढ़कर 47,965 इकाई हो गई। चेन्नई में घरों की बिक्री 2022 के 14,097 से पांच प्रतिशत बढ़कर 2023 में 14,836 इकाई हो गई। नए घरों की संख्या 9,310 इकाई से 74 प्रतिशत बढ़कर 16,153 इकाई हो गई। दिल्ली–राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में घरों की बिक्री 2022 के 19,240 से 11 प्रतिशत बढ़कर 2023 में 21,364 इकाई हो गई।

दिल्ली सीएम आवास के बाहर बढ़ाई सुरक्षा

एजेन्सी

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी के इस दावे के बाद कि प्रवर्तन निदेशालय गुरुवार को कथित उत्पाद शुल्क घोटाले में उन्हें गिरफ्तार कर सकता है, दिल्ली पुलिस ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर सुरक्षा बढ़ा दी है। सीएम आवास पर तैनात पुलिसकर्मियों की संख्या दोगुनी कर दी गई है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी कार्यकर्ताओं के यहां जुटने की आशंका है और किसी भी कानून–व्यवस्था की स्थिति से बचने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

केजरीवाल ने बुधवार को कथित तौर पर दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में ईडी के सामने पेश होने से इनकार कर दिया, जबकि भाजपा ने बुधवार को आप प्रमुख पर हमला करते हुए कहा कि उन्होंने अपनी पार्टी के नेताओं मनीष सिसौदिया और संजय सिंह को छोड़ दिया है। ईडी ने मामले के सिलसिले में केजरीवाल को 3 जनवरी (बुधवार) को तलब किया है, लेकिन वह कथित तौर पर जांच एजेंसी के सामने पेश होने के लिए तैयार नहीं हैं।

पहली बार लोकसभा चुनाव लड़ सकते हैं नड्डा, राज्यसभा सांसदों को मैदान में उतारने की तैयारी में बीजेपी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। लोकसभा चुनावों के लिए सभी पार्टियां अपना प्लान तैयार करने में जुटी हुई हैं। इंडिया गठबंधन के लिए फिलहाल सत्ता में बैठी बीजेपी को टक्कर देना आसान नहीं, लेकिन कहीं न कहीं बीजेपी भी चाहेगी कि वो जीत हासिल करने के लिए कहीं कोई गलती न कर बैठे। चुनाव से पहले बीजेपी ने तीसरी बार मोदी सरकार, अबकी बार 400 पारश नारा भी दिया है। हालांकि, इसे हासिल करने के लिए उन्हें मैदान में कई भरोसेमंद पुराने दिग्गजों को भी उतारना होगा जो राज्यसभा से जुड़े हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फतह करने के लिए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत राज्यसभा से जुड़े सभी बड़े दिग्गज लोकसभा चुनाव मैदान में नजर आएंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार, नड्डा के अपने गृह राज्य हिमाचल प्रदेश से ही चुनाव लड़ने की चर्चा है। रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी ने राज्यसभा में एक नेता को दो से ज्यादा कार्यकाल न देने की अपनी नीति पर चलते हुए नड्डा को इस बार लोकसभा चुनाव लड़ाने का फैसला किया है। तीन बार विधायक और राज्यसभा में अपना दूसरा कार्यकाल पूरा करने जा रहे नड्डा का यह पहला लोकसभा चुनाव होगा। वह 1993 में वह पहली बार हिमाचल प्रदेश विधानसभा में विधायक बने। 1998 में उनको फिर जीत मिली और भाजपा सरकार में स्वास्थ्य मंत्री बने। फिर 2012 में राज्यसभा सदस्य के रूप में चुने गए। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में वह स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री भी रहे। इसके बाद जनवरी 2020 में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने गए। नड्डा का जन्म पटना में 1960 में हुआ था। पटना विश्वविद्यालय से बीए के बाद हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से उन्होंने एलएलबी की है।दरअसल, इस बार पार्टी ने राज्यसभा में एक नेता को दो से अधिक कार्यकाल नहीं देने की नीति बनाई है। इसी नीति के तहत केंद्र सरकार में मंत्री रहते मुख्तार अब्बास नकवी को भी राज्यसभा का टिकट नहीं दिया गया। पार्टी सूत्रों का कहना है कि अगर नड्डा लोकसभा चुनाव मैदान में उतरे तो इससे इस नीति के प्रति सकारात्मक संदेश जाएगा। पार्टी सूत्रों के अनुसार, राज्यसभा के दिग्गजों के मैदान में उतरने से लोकसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में माहौल बन जाएगा। वह इसलिए कि वर्तमान मोदी सरकार में कई वरिष्ठ मंत्री राज्यसभा के सदस्य हैं। इन मंत्रियों के साथ कई वरिष्ठ नेताओं को पहले ही लोकसभा की अपनी पसंदीदा सीट बताने के लिए तीन विकल्प दिए गए थे। ज्यादातर मंत्रियों और सांसदों ने इससे पार्टी नेतृत्व को अवगत करा दिया है। कई मंत्रियों ने नयी दिल्ली सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। इनमें कई नामी मंत्री भी हैं। हालांकि नेतृत्व चाहता है कि नामी मंत्री अपने मूल राज्य से ही चुनाव लड़ें। खासतौर वहां जहां पकड़ थोड़ी कमजोर है।

फिर से बढ़ाई जा सकती है स्कूलों की छुट्टीयां...टाइम भी बदला

एजेन्सी

नयी दिल्ली। कड़कड़ाती ठंड में स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। जिला प्रशासन ने एक बार फिर से स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी किया है। यह फैसला नर्सरी से लेकर आठवीं तक के सभी स्कूलों के लिए लिया गया है। दरअसल, गौतम बुद्ध नगर जिला प्रशासन ने ठंड के मद्देनजर 6 जनवरी तक नर्सरी से आठवीं तक की कक्षाओं के सभी मान्यताप्राप्त विद्यालयों में अवकाश की घोषणा की है। इसके साथ ही कई राज्यों में स्कूलों के समय में भी बदलाव किया गया है। गौतम बुद्ध नगर के जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि कड़ाके की ठंड एवं घने कोहरे के चलते समस्त बोर्ड से मान्यता प्राप्त विद्यालयों में नर्सरी से आठवीं कक्षाओं तक के बच्चों के वास्ते छह जनवरी तक अवकाश करने का आदेश दिया गया है। उन्होंने कहा कि स्कूल तभी खोले जाएंगे जब मौसम सामान्य होगा. अगर ठंड और कोहरे का असर बढ़ता है तो फिर से स्कूलों की छुट्टी आगे की तारीखों के लिए बढ़ाई जा सकती है। गौतमबुद्ध नगर जिले के अंतर्गत आने वाली 9वीं से 12वीं तक की सभी स्कूलों के टाइमिंग में बदलाव किया गया है. अब नौवीं से लेकर 12वीं तक के स्कूल सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक ही संचालित किए जा सकते हैं।इसके अलावा पंजाब में भी स्कूलों के समय में बदलाव कियागया है। स्कूलों अब समय सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक कर दिया है। वहीं, लखनऊ में जिला प्रशासन ने मंगलवार को कक्षा 1 से कक्षा 8 तक के छात्रों के लिए स्कूलों का winter Vacation घोषित कर दिया है।

जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला शिक्षा पदाधिकारी राम प्रवेश द्वारा जारी आदेश के अनुसार लखनऊ जिले के सभी स्कूलों में 6 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश घोषित कर दिया गया है. आदेश में आगे कहा गया है कि कक्षा 9 से 12 तक की कक्षाएं संचालित की जा रही हैं तो उनका समय सुबह 10:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे के बीच ही रखा जाना चाहिए।

एनसीपी नेता जितेंद्र आव्हाड के विवादास्पद बयान से भड़के विहिप ने की सरकार से कार्रवाई की मांग

एजेन्सी

नयी दिल्ली। अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर एक तरफ जहां देशभर में जोर–शोर से तैयारियां की जा रही है, तो वहीं दूसरी तरफ इसे लेकर नेताओं के विवादास्पद बयानों का भी सिलसिला लगातार जारी है। अब एनसीपी के नेता जितेंद्र आव्हाड ने भगवान राम पर विवादास्पद टिप्पणी कर देश की राजनीति को गरमा दिया है। भगवान राम को लेकर एनसीपी नेता जितेंद्र आव्हाड के विवादास्पद बयान से भड़के विश्व हिंदू परिषद ने सरकार से उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। विहिप ने शरद पवार से भी अपने नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता विनोद बंसल ने एनसीपी नेता के बयान पर कड़ी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा है कि, कभी समाज कंटक व नमाजवादी सपा तो कभी आरजेडी, कभी डीएमके तो कभी कांग्रेस हिंदू धर्म ग्रंथों, मानबिंदुओं व आस्था के केंद्रों पर हमलों से बाज नहीं आ रहे। अब तो शिवाजी की पावन धरा पर अपने नेता शरद पवार के सामने ही एनसीपी विधायक ने भगवान श्रीराम पर जैसा कीचड़ उछाला है वह, बेहद शर्मनाक, निंदनीय तथा सम्पूर्ण विश्व के राम भक्तों की भावनाओं को कचोटने वाला है। विहिप प्रवक्ता ने एनसीपी नेता के खिलाफ सरकार से कठोर कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा कि, ऐसे समय में, जब सम्पूर्ण विश्व रामोत्सव की तैयारियों में व्यस्त है, रंग में भंग डालने वाले ऐसे हिंदू द्रोही नेता के विरुद्ध ना सिर्फ शरद पवार अपितु सरकार भी कठोर कार्यवाही सुनिश्चित करे।

आंध्र के मुख्यमंत्री जगन ने की केसीआर से मुलाकात

एजेन्सी

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने गुरुवार को तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव से मुलाकात की, जो पिछले महीने हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी के बाद स्वास्थ्य लाभ कर रहे हैं। विशेष विमान से हैदराबाद पहुंचे जगन मोहन रेड्डी बंजारा हिल्स स्थित केसीआर के आवास पर गए और उनसे मुलाकात की। वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) प्रमुख ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) अध्यक्ष को गुलदस्ता और शॉल भेंट किया और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। दिलचस्प बात यह है कि जगन ने केसीआर से उस दिन मुलाकात की जब उनकी बहन वाई.एस. शर्मिला ने अपनी वाईएसआर तेलंगाना पार्टी (वाईएसआरटीपी) का कांग्रेस पार्टी में विलय कर दिया। शर्मिला दिल्ली में औपचारिक रूप से कांग्रेस में शामिल हो गईं। हाल के चुनावों में तेलंगाना में बीआरएस के कांग्रेस पार्टी के हाथों सत्ता गंवाने के बाद जगन की केसीआर के साथ यह पहली बैठक थी। इससे पहले, बीआरएस नेता वी. प्रशांत रेड्डी, पी. राजेश्वर रेड्डी और अन्य ने बेगमपेट हवाई अड्डे पर जगन मोहन रेड्डी का स्वागत किया। 15 दिसंबर को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद से केसीआर घर पर आराम कर रहे हैं।

अयोध्या के कार्यक्रम को लेकर राजधानी में हुई बड़ी बैठक

पुलिस आयुक्त ने अफसरों के साथ सुगम यातायात उपलब्ध कराने पर किया विचार विमर्श

एजेन्सी

लखनऊ। प्रदेश के अयोध्या में आगामी 22 जनवरी को होने वाले कार्यक्रम को लेकर पुलिस आयुक्त ने संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था तथा अपर पुलिस उपायुक्त यातायात और पुलिस उपायुक्त पूर्वी तथा अपर पुलिस उपायुक्त पूर्वी व भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अफसरों के साथ बैठक कर अयोध्या के लिये सुगम यातायात उपलब्ध कराने पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में अफसरों ने कहा कि अभी तक कामता से होते हुए चिनहट, मटियारी होते हुए बाराबंकी मार्ग को ही मुख्य मार्ग माना जाता है।इस मार्ग के विकल्प के रूप में दो अन्य मार्गों को विकसित करने के निर्देश दिये गये हैं। जिसमें मार्ग एक–शहीद पथ से अहिमामऊ से उतरकर सुल्तानपुर रोड होते हुए पूर्वांचल एक्सप्रेस वे से होते हुए सीधे अयोध्या जाने का मार्ग वही मार्ग दो–अहिमामऊ से उतरकर सुल्तानपुर रोड होते हुए किसान पथ से इन्दिरानहर निकलकर बाराबंकी जाने का मार्ग। बाराबंकी के अतिरिक्त अयोध्या भी जा सकेंगे। पुलिस आयुक्त ने विचार विमर्श कर त्वरित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। इन दोनो मार्गो को वैकल्पिक रूप से विकसित करने के लिए गुगल के अधिकारियों से वार्ता कर गुगल मैप में इन दो मार्गों को अंकित करवाया जाये ताकि अयोध्या जाने के लिये मैप पर मार्ग खोजे जाने पर इन दो मार्गों को प्राथमिकता दी जाये।इसके अलावा अहिमामऊ से सुल्तानपुर रोड प्रारम्भ होता है। इस पूरे मार्ग से अतिक्रमण हटाया जाए।

सम्पादकीय

भूकंप संग जीना

नये साल के पहले दिन जापान ने फिर एक बड़े भूकंप का सामना किया। चंद लोगों के मरने व घायल होने के बावजूद इतने बड़े भूकंप के बाद जापान में जनजीवन पटरी पर लौटने लगा है। सुनामी की चेतावनी निष्प्रभावी साबित हुई है। दुनिया में शायद ही कोई ऐसा देश होगा जिसने इतने बड़े भूकंप के झटके सहने के बाद कोई बड़ा नुकसान नहीं झेला हो। हमें याद रहे कि बीते साल तुर्किये–सीरिया में आए 7.8 तीव्रता के भूकंप में करीब साठ हजार लोग मारे गये थे। जबकि जापान के इशिकावा में आए 7.6 तीव्रता वाले भूकंप में 48 के करीब लोगों के मरने की खबर आई है। वैसे 2011 में आये 9 तीव्रता के भूकंप में जरूर 18 हजार के करीब लोग मारे गए थे, लेकिन भूकंप के बजाय सुनामी में ज्यादा क्षति हुई थी और बड़ी इमारतों को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा था। भूकंप के साथ मुकाबले का यह जज्बा जापान की कई दशकों की योजना व भवननिर्माण तकनीक में बड़े बदलावों से संभव हो सका। वहां के राजनेताओं ने दूरदृष्टि का परिचय देते हुए भवनों के लिये भूकंपरोधी कोड बनाए और ईमानदारी से उसे लागू किया। जहां एक ओर आधारभूत संरचना में बड़ा सरकारी निवेश किया गया, वहीं देश की जनता ने भी सरकार के प्रयासों के साथ कदमताल की। दरअसल, जनधन की क्षति कम कर सकने के मूल में जापान में इंजीनियरिंग सफलता की विशिष्ट कहानी है, जो तब शुरू हुई जब बीसवीं सदी में भयावह भूकंप आया था। वर्ष 1923 में कांटो के भूकंप में करीब डेढ़ लाख लोगों के मरने की बात कही जाती है। बताते हैं कि उस दौरान शहर का एक बड़ा हिस्सा जमींदोज हो गया था। तब ईंटों से बनी पाश्चात्य शैली की तमाम इमारतें ढह गई थीं। उसके बाद तय किया गया कि हर इमारत में कंक्रीट व स्टील का प्रयोग अनिवार्य होगा। लकड़ी से बनी इमारतों से परहेज किया गया, बनाने पर मजबूत बीम के प्रयोग को अनिवार्य किया गया। दरअसल, जापान में जब भी भूकंप आया, उससे सबक लेकर आगे रीतियां–नीतियां तय की गई। समय–समय पर नियम–कानूनों में बदलाव किये गये। दरअसल, जापान भौगोलिक रूप से दो संवेदनशील प्लेटों के टकराव की दृष्टि से एक ऐसे संवेदनशील स्थान पर स्थित है, जिसे भूकंप की तकनीकी भाषा में 'रिंग ऑफ फायर' कहा जाता है, जिससे वहां व आसपास के देशों में लगातार भूकंप आते रहते हैं। इसी क्रम में वर्ष 1981 में जापान में नये भवनों के निर्माण के लिये भूकंप–रोधी उपाय लागू कर दिये गये। जिसके सकारात्मक परिणाम वर्ष 2011 में रिक्टर स्केल पर नौ तीव्रता के भूकंप आने के बाद देखे गये। इस दौरान काफी कम नुकसान हुआ।

आज का राशिफल

मेष :– जीविका क्षेत्र में नए आयाम आपको उत्साहित करेंगे। पुरानी समस्याओं को हलकर सुख की अनुभूति करेंगे। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

वृष :– भौतिक आकांक्षाएं बलवती होंगी। राजनीतिज्ञों के लिए राजनीतिक क्षेत्र में व्यस्तता व क्रियाशीलता बढ़ेगी। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें। खराब संगत से दूरी बनाएं।

मिथुन :– महत्वपूर्ण घरेलू दायित्वों के प्रति मन केन्द्रित होगा। अत्यधिक कायरे की ब्यस्तता से मन परेशान होगा। पारम्परिक कायरे में व्यस्तता बढ़ेगी। जीवन साथी से भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा।

कर्क :– क्रोध व शंकाए छोड़ संबंधों में प्यार विखेरें। कार्य क्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। क्षमता से अधिक व्यय भविष्य के लिए चिन्ता उत्पन्न करेगी। किसी नए कार्य में मन केन्द्रित होगा।

सिंह :– किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी की ब्यस्तता से मन बोझिल होगा। निराशा त्याग मन को आशावादी बिचारों से सिंचित करें। महत्वपूर्ण क्षेत्र में संबंधों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाऐंगे।

कन्या :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में धनाभाव अवरोधक हो सकता है। लेकिन प्रियजनों के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। अच्छी आशाएं आप में क्रियाशीलता बढ़ाएंगी। परिवार में कोई सुखद माहौल बनेगा।

तुला :– हर वक्त अपने को लाचार बनाए रखना अच्छी बात नहीं, समय का सदोपयोग करें और स्वयं को सकारात्मक दिशा दें। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित।

वृश्चिक :– शासन–सत्ता के सहयोग से कार्य क्षेत्र के अवरोध समाप्त होंगे। कार्य क्षेत्र में लोकप्रियता व वर्चस्व बढ़ेगा। प्रयत्न की सार्थकता उच्छृंखलता व व्यग्रता क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा।

धनु :– कोई नई योजना उत्साहित करेगी। भौतिक जगत के चकाचौंध आप प्रभावित होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में सफलता के आसार बढ़ेंगे। अच्छे व्यवहारकुशलता से सामाजिक मान–मर्यादा में वृद्धि होगी।

मकर :– कुछ बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता ला सकता है। नैतिक जिम्मेदारियों में सजगता काबिले तारीफ होगी। पूर्वाग्रह वश मन में संबंधों के प्रति नकारात्मकता को न पालें।

कुंभ :– ""खाली मन शैतान का घर'' अपने दिनर्चया को सुधारें। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा। पारिवारिक जरुरतों की पूर्ति साधनाभाव से मन चिंतित होगा। मधुर वाणी से संबंधों में प्रभावशाली होंगे।

मीन :– भौतिक सुख–साधनों की ओर मन आकर्षित होगा। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे। कुछ नई प्रबल इच्छाएं आपको उद्वेलित करेंगी।

किसानों के बाद ड्राइवर बने पथ प्रदर्शक

किसानों के बाद बस व ट्रक ड्राइवरों ने देश को आंदोलन की राह दिखाई है। तीन काले कृषि कानूनों के खिलाफ 5 नवम्बर, 2020 से आंदोलन प्रारम्भ करने वाले किसानों को 378 दिन लगे थे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से यह कहलवाने में कि इन कानूनों को वापस लिया जा रहा है क्योंकि वे शकिसानों को इनके लाभ समझाने में असफल हो रहे हैं।श मोदी को यह भी मलाल रहा कि शशायद उनकी तपस्या में कोई कमी रह गयी।श देश भर के किसान इन कानूनों के खिलाफ लामबन्द हो गये थे, लेकिन उसकी सर्वाधिक सघनता और उसे दबाने का सरकारी उद्रेक देश की राजधानी दिल्ली की तीन सीमाओं पर देखा गया था– टिकरी, गाजीपुर और सिंघू। दूसरी तरफ हिट एंड रन मामले में अत्यंत कठोर कानूनों के विरूद्ध 2024 की पहली तारीख से प्रारम्भ हुए बस एवं ट्रक ड्राइवरों के आंदोलन को केवल दो ही दिन लगे सरकार को घुटनों पर लाने में। दोनों ही आंदोलन देश के स्याह आसमान में दो बेहद चमकदार सितारों की तरह टिमटिमाते रहेंगे और दिशा बतलाते रहेंगे कि कैसे संसद को आवारा होने से बचाने के लिये सड़कों को गुंजायमान करना चाहिये। किसानों के सड़कों पर उतरने का कारण था देश की मजबूत मंडी व्यवस्था को तबाह कर कृषि उत्पादों को मोदी के कारोबारी मित्रों के भंडारगृहों तक पहुंचाने के मंसूबों को ध्वस्त करना, तो वहीं बसों एवं ट्रकों के

ड्राइवरों को स्टीयरिंग व्हील को छोड़कर रास्तों को जाम करने का उद्देश्य था खुद को ऐसी सजा से बचाना जो गलती के अनुपात में बहुत ज्यादा कठोर है। अपराध प्रक्रिया संहिता (आईपीसी) के कुछ प्रावधानों में केन्द्र ने हाल ही में समाप्त हुए उस संसद सत्र में संशोधन किया, जिसमें विपक्ष लगभग नदारद था। करीब डेढ़ सौ सांसदों की अनुपस्थिति में, जिन्हें योजनाबद्ध तरीके से और किसी षडयंत्र के तहत निलम्बित किया गया था, ये कानून पास हुए जिसके मुताबिक हिट एंड रन मामले में 10 वर्षों की सजा और 7 लाख रुपये का जुर्माना तय किया गया है। ये प्रावधान इतने कठोर हैं कि हजारों लोगों ने ड्राइवरी से तौबा करने की ठान ली। वे जान गये कि इसकी चपेट में आने पर उनका आजीवन जेल में रहना तय है।

वैसे तो यह कानून हर उस व्यक्ति पर लागू होता है जो किसी भी प्रकार के वाहन चलाता है, फिर चाहे वह ट्रक हो या बस, कार हो या बाइक। गैर इरादतन व त्रुटिवश अगर उनके द्वारा कोई दुर्घटना होती है तो उसे घायल को अस्पताल पहुंचाने और पुलिस में जाकर शिकायत करना कानूनन बाध्य होगा। इस कानून के अमल में वाहन चालकों द्वारा व्यवहारिक दिक्कतें महसूस किये जाने पर यह तीन दिवसीय हड़ताल पुकारी गई थी। दो दिनों में ही देश का जो हाल हुआ, उससे सरकार झुक गई। देश भर के पेट्रोल पम्प खाली हो गये और जीवनावश्यक वस्तुओं की कीमतें आसमान छूने लगीं। यात्रियों को बसें नहीं मिलीं और माल ढुलाई ठप हो गई। ट्रेनें इस कदर पैक हो गईं कि डिब्बों में पैर रखने की जगह भी नहीं रही। बच्चे स्कूल नहीं जा पाए। लोगों को बस अड्डों में रात गुजारने पड़ी। ऐसी हालत होने पर सरकार की आंखें खुलीं और वह समझ गई कि हड़ताल के तीसरे दिन में प्रवेश करते–करते अनर्थ हो जायेगा। सामने चुनाव भी है। 22 जनवरी को राममंदिर का उद्घाटन समारोह तो बदमजा हो ही जायेगा, अप्रैल में निर्धारित लोकसभा चुनाव में भी उसे नुकसान पहुंचेगा। जिस तरह से राममंदिर प्रकरण में मोदी धार्मिक मसले का सहारा लेकर अपनी जीत व तीसरी बार पीएम बनने के लिये प्रयासरत हैं, उससे रामभक्त ही नाराज हो चले हैं। कई लोगों के इस आशय के वीडियो वायरल हो रहे हैं जिसमें वे बता रहे हैं कि पहले वे भाजपा को ही वोट देते आये हैं परन्तु अब नहीं देंगे। ऐसे ही, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में अकबर नगर में चले बुलडोजर ने ऐसे लोगों के घरों को गिराया है जो भाजपा के मतदाता हैं। अब ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुड़े लोगों का भी भाजपा से मोह भंग हो गया है। कई ड्राइवर, कंडक्टर, क्लीनर आदि कह रहे हैं कि इस बार वे भाजपा को सबक सिखाएंगे। सम्भवतः भाजपा व केन्द्र को इसकी भनक मिल गई है। किसी बड़े नुकसान के अंदेशे में मंगलवार को सुलह हुई और ट्रकों के थमे हुए पहिये फिर से घूमने लगे। इसलिये सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि अभी ये कानून लागू नहीं किये जा रहे हैं। इन पर अमल इस क्षेत्र के प्रतिनिधियों से बात करने के बाद होगा।जिस प्रकार से भूमि अधिग्रहण कानून एवं कृषि कानूनों के खिलाफ लोग हमलावर हुए और केन्द्र सरकार को इन्हें वापस लेना पड़ा था, वैसे ही इस मामले में भी सरकार को मुंह की खानी पड़ी है। माना जाता है कि पहले दोनों कानूनों की ही तरह ये कानून (हिट एंड रन) भी असंगठित क्षेत्र को तबाह करने के उद्देश्य से लाये गये थे ताकि बाद में इन्हें निजी क्षेत्र को सौंपा जा सके। जिस प्रकार पहले किसानों को यह बात समझ में आ गई और उन्होंने वक्त रहते काले कानूनों के खिलाफ आंदोलन छेड़ा, वैसा ही इस बार हुआ। तीनों ही मर्तबा केन्द्र सरकार ने विशेषज्ञों, संसदीय समितियों, सांसदों और सम्बन्धित पक्षों से सलाह–मशविरा किये बिना ये कानून पारित किये लेकिन वापस लेने पड़े। ऐसे वक्त में जब मोदी सरकार के खिलाफ कोई आवाज नहीं उठा रहा, ड्राइवरों ने सजगता व निडरता का परिचय दिया है जिससे सभी को सीखना चाहिये। किसान–ड्राइवर नये पथ प्रदर्शक हैं।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में उथल–पुथल का गवाह बन सकता है 2024

अंजन रॉय

आर्थिक पूर्वानुमान हमेशा खतरनाक होता है। वर्तमान परिदृश्य में तो यह और भी अधिक प्रासंगिक है। भविष्य को लेकर हमेशा कई तरह की अनिश्चितताएं बनी रहती हैं। लेकिन वर्तमान में ये विविध हैं। वास्तव में कोई नहीं जानता, जिसमें नाटककार भी शामिल है, अगले सप्ताह में क्या होगा, आने वाले वर्ष की तो बात ही

छोड़ दें। एक नमूना लीजिए। यह अनुमान लगाना किसी भी तरह संभव नहीं है कि गाजा युद्ध का स्वरूप क्या होगा। क्या यह मध्य पूर्व के क्षेत्र में अधिक व्यापक रूप से फूटेगा या वर्तमान युद्ध अंततरू एक स्थायी समाधान की ओर ले जायेगा। इसी तरह, यूक्रेन युद्ध में भी अनिश्चितता बनी हुई है। रूस ने अचानक यूक्रेन पर हवाई हमले तेज कर दिये हैं। शायद, यह यूक्रेन द्वारा क्रीमिया में नौसैनिक प्रतिष्ठानों पर विनाशकारी हमले से प्रेरित था जिसमें रूस का एक युद्धपोत डूब गया था। साथ ही, जमीनी युद्ध कहीं नहीं जा रहा है और न ही रूस और न ही यूक्रेन कोई महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। चीनी अर्थव्यवस्था में मंदी के स्पष्ट संकेत दिख रहे हैं। अर्थव्यवस्था अपने आवास और रियल एस्टेट क्षेत्र में व्यापक रुकावट के कारण संकट में है। डर है कि बड़े पैमाने पर प्रणालीगत रूप से महत्वपूर्ण आवास वित्त कंपनियां डिफॉल्टर हो जायेंगी। ताइवान को लेकर चीन का डर मानो बढ़ता ही जा रहा है। चीन अपना अभियान तेज कर रहा है और चुनाव परिणामों को प्रभावित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। यूक्रेन को परेशान करने में रूस की नवीनतम सफलताओं से उत्साहित होकर, चीन अमेरिकी प्रतिक्रियाओं और भागीदारी को शामिल करते हुए ताइवान को भी धमकियां दे सकता है। इनमें से कोई भी अप्रत्याशित घटना ऐसी ताकतों को ट्रिगर कर सकती है जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के मौजूदा संतुलन और विकास की गति को बिगाड़ सकती है। यह केंद्रीय बैंकों के साथ–साथ नीति निर्माताओं के लिए भी प्रमुख चिंता का विषय है। मध्य पूर्व में व्यापक युद्ध का पहला शिकार तेल बाजारों में उथल–पुथल होगा। यदि कोई भी प्रमुख तेल उत्पादक इजराइल–हमास युद्ध में शामिल हो जाता है तो इसका तेल उत्पादन और आपूर्ति पर गहरा प्रभाव पड़ेगा। तेल उत्पादन और आपूर्ति में व्यवधान से कीमतें बढ़ेंगी और समग्र मूल्य स्तर प्रभावित होगा। कई मायनों में मुद्रास्फीति में ताजा उछाल वैश्विक आर्थिक संभावना के लिए सबसे बड़ा झटका होगा। लगभग एक दशक तक स्थिर और कम कीमतों के बाद, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में मुद्रास्फीति बढ़ रही है। कई अर्थशास्त्रियों ने मुद्रास्फीति को अतीत की चिंता बताया था और कम मुद्रास्फीति का युग शुरू हो गया था। अमेरिकी मुद्रास्फीति बढ़ रही थी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने परिभाषित मुद्रास्फीति प्रवृत्तियों के सामने बढ़ती दर चक्र शुरू कर दिया था। अमेरिका में मुद्रास्फीति 5 प्रतिशत से अधिक हो गई थी और कुछ समय के लिए यह 8 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। युद्ध की समाप्ति के बाद से मुद्रास्फीति का ऐसा स्तर नहीं देखा गया। फिर बढ़ते दर चक्र और कुछ अन्य कारकों के साथ, मुद्रास्फीति कम होने लगी। इतना कि फेडरल ने बढ़ते चक्र को उलटने और थोड़ी राहत देने के बारे में बातचीत शुरू कर दी है। इस समय मुद्रास्फीति में किसी भी उलटफेर का मतलब होगा कि फेडरल रिजर्व ब्याज दर में बढ़ोतरी के साथ मुद्रास्फीति की लड़ाई फिर से शुरू कर सकता है।

पिछले कुछ समय से अर्थशास्त्रियों के बीच यह चर्चा चल रही थी कि क्या बढ़ती मुद्रास्फीति और फेड के मुद्रास्फीति विरोधी पैकेज के साथ, अमेरिकी मंदी से बच सकता है। वास्तव में, यह मंदी शब्द अब अर्थशास्त्रियों के बीच सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द है। क्या मुद्रास्फीति के खिलाफ लड़ाई के बाद अमेरिका मंदी से बच पायेगा?

यह देखा गया है कि मुद्रास्फीति विरोधी उद्देश्यों के लिए मौद्रिक सख्ती के चक्रों के बाद पंद्रह से अठारह महीनों के अंतराल के बाद मंदी आती रहती है। ऐसे में, फेडरल रिजर्व ने चक्र को सख्त करना शुरू कर दिया था, जिससे अब मध्यम मुद्रास्फीति देखी जा रही है। लेकिन क्या मंदी आयेगी? अमेरिकी में मंदी निश्चित रूप से वैश्विक अर्थव्यवस्था की संभावनाओं को खत्म कर देगी और एक दूसरे से जुड़ी दुनिया में हर कोई प्रभावित होगा। सौभाग्य से, अब तक, संयुक्त राज्य अमेरिका मंदी से बचा हुआ था और श्रमिक बेरोजगारी अब भी बहुत निचले स्तर पर है। अर्थशास्त्री यह परिभाषित करने की कोशिश कर रहे हैं कि अमेरिका ने मंदी से कैसे बचा लिया और फिर भी ब्याज दरें बढ़ा दी गईं। यह स्पष्टीकरण दिया जा रहा है कि अमेरिका अंततरू मंदी की स्थिति से बच सकता है। अमेरिका सॉफ्ट लैंडिंग हासिल करेगा, जो युद्ध के बाद से नहीं हुआ है। वह नीति निर्माण और आर्थिक प्रबंधन में एक चमत्कार होगा। वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए दूसरा खतरा चीन से है। चीन की अर्थव्यवस्था धीमी हो रही है। चीनी दुश्मन के साथ 8 फीसदी और उससे अधिक की वृद्धि के उन दिनों को भूल जाइये। अब चीन की अर्थव्यवस्था 5 फीसदी से भी कम बढ़ने का अनुमान है। इससे भी बुरी बात यह है कि चीन अब तक एक ऐसे आर्थिक मॉडल पर फला–फूला और विकसित हुआ है, जो लगातार बढ़ते निवेश का कारण बना। जब भी चीनी अर्थव्यवस्था में गिरावट आई, अधिकारियों ने बड़े पैमाने पर निवेश जारी कर दिया, जिससे स्टील से लेकर घरेलू सामान तक हर चीज की नयी मांग पैदा हो गई। उस मॉडल ने अपना अंत देख लिया है। क्षमता निर्माण में निवेश बढ़ाना अब संभव नहीं है क्योंकि साल भर में पहले ही बड़ी क्षमताएं बनायी जा चुकी हैं। नये क्षेत्रों में नये शहर बस गये जो खाली रह गये हैं। संपूर्ण हाउसिंग कॉलोनियां वीरान पड़ी हैं और अक्सर प्रमोटर कंपनियां गहरे कर्ज में डूबी हुई हैं, जिसे चुकाने में वे अब सक्षम नहीं हैं। चिंताएं बढ़ाने वाली बात यह है कि शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) कॉरपोरेट समेत हर चीज पर पार्टी का अधिकार सुनिश्चित कर रही है। उद्यमियों को धमकी दी गयी है कि कई मामलों में प्रमुख चीनी कंपनियों के मुख्य कार्यकारी गायब हो गये हैं। इन आधिकारिक कदमों ने चीन में उद्यमिता की भावना का गला घोंट दिया है। इन कदमों ने चीनी प्रौद्योगिकी क्षेत्र को सबसे बुरी तरह प्रभावित किया है, जहां कुछ प्रमुख प्रवर्तकों की छंटनी कर दी गई है और उनकी पहल रोक दी गई है।अब हम जो देख रहे हैं, वह यह है कि दोनों आर्थिक महाशक्तियां कुछ गंभीर संरचनात्मक समस्याओं का सामना कर रही हैं जो आसानी से दूर नहीं होने वाली हैं। उनका संयुक्त आर्थिक प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था और 2024 और उसके बाद विकास की संभावनाओं के लिए बहुत मायने रखता है। इनमें से कोई भी अप्रत्याशित घटना वित्तीय बाजारों में प्रतिक्रिया उत्पन्न कर सकती है और इसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर धन का प्रवाह हो सकता है। अमेरिका में अनिश्चितता के परिणामस्वरूप उभरती और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से धन की निकासी होगी। ऐसी पूंजी उड़ानों का विदेशी मुद्रा बाजारों के माध्यम से विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में कई गुना प्रभाव हो सकता है। अंतिम परिणाम आर्थिक मंदी होगी। उम्मीद है, इस तरह का डर फैलाना महज पतंग उड़ाना होगा। ये कभी पूरे नहीं होंगे, लेकिन फिर भी, आत्मसंतुष्ट होने से बेहतर है कि चुनौतियों और खतरों के बारे में जानकारी प्राप्त की जाये। आखिरकार, ढिलाई के कारण महामारी की समस्याएं बदतर और जटिल हो गईं। आइये गहराई से सोचें कि उभरती अर्थव्यवस्थाओं को दो आर्थिक दिग्गजों की अर्थव्यवस्थाओं में सबसे खराब गिरावट के प्रभाव से कैसे बचाया जा सकता है।

भारत में वैश्विक अनूठी सार्वभौमिकता

पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपनी किताब डिस्कवरी ऑफ इंडिया में लिखा है कि भारत स्वयं में एक लघु विश्व है। निसंदेह इंडोलॉजी में भारत पर अध्ययन करने वाले सभी चिंतकों तथा विद्वानों ने एकमत से यह माना है की भारत विविधताओं व बहुलताओं के मामले में विश्व का अनूठा एवं दिलचस्प देश है। अनेक प्रकार की भाषाएं, रीति रिवाज, खान–पान, रहन–सहन, लोकगीत,नृत्य, धर्म, संप्रदाय, सामाजिक संरचनाएं और संस्थाएं इस देश को बेहद बहुलतावादी और वैविध्यपूर्ण राष्ट्र बनाती है। इस विशाल, बहु भाषाई, बहु सांस्कृतिक देश की अपनी विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, आर्थिक, ऐतिहासिक, भौगोलिक, दार्शनिक, धार्मिक, आध्यात्मिक, जनसांख्यिकी और भाषाई विभिन्नताएं, विषमताऐ और विशेषताएं विद्वमान है। जो इस देश की विविधता में एकता की खूबी को प्रदर्शित करती है। भारत की सामाजिक संरचना स्वयं में काफी जटिल है। देश में समाज बहुत सारे वर्गों उप वर्गों में बटा हुआ है, इसी तरह यहां समाज में ग्रामीण, उपनगरीय, नगरीय, महा नगरीय, जनजातीय, पहाड़ी कैसे वर्गों में विभाजित हुआ है। भारत में सामाजिक वर्ग भेद के साथ अंदरुनी अंतर्द्वंद भी बहुत ज्यादा है,जैसे कि एकल परिवार और संयुक्त परिवार जातिवादी जाति विहीन समाज ग्रामीण नगरीय द्वंद विवाह सन्यास का द्वंद जो अनेक रूपों में भारतीय समाज में जनमानस के रूप में दिखाई देता है और यह द्वंद स्वतंत्रता के पश्चात से दिखाई देने लगा है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जहां ग्राम स्वराज को आर्थिक विकास की धुरी मानते हुए सर्वोदय पंचायती राज स्वरोजगार एवं परस्पर सहयोग को बढ़ावा देना चाहते थे,दूसरी तरफ पंडित जवाहरलाल नेहरू का झुकाव औद्योगिक दृष्टि से पिछड़े क्षेत्र को तीव्र औद्योगिकरण , कल कारखानों को मजबूत करने की ओर था। इसीलिए भारतीय समाज में मिश्रित अर्थव्यवस्था की नई व्यवस्था के माध्यम से इसका समुचित समाधान निकाला गया था।

भारत के राजनीतिक द्वंद भी बहुतायत में रहे हैं। आजादी से पहले कांग्रेस के गरम पंथ हुआ नरम पंथ का द्वंद चलता रहा है और पूर्ण स्वराज की मांग का उहापोह तथा आजादी के बाद संविधान निर्माण के समय संविधान की संघात्मक तथा एकात्मक रचना का विवाद या समाजवाद पूंजीवाद का द्वंद इसी तरह भारत दोनों में उलझता रहा है, और उसके बाद समाधान निकाल कर उससे बाहर भी आया है। भारत धार्मिक ,दार्शनिक व आध्यात्मिक दृष्टि से एक बेहद समृद्ध राष्ट्र रहा है। विश्व के चार प्रमुख धर्मों हिंदू, सिख, बौद्ध ,जैन की जन्मस्थली भारत ही रही है। इसी तरह भारत वेद पुराणों, उपनिषदों ,ब्राह्मणों, समितियों और आरण्यकों के प्राचीन साहित्य से लबालब भी रहा है। इसके अलावा इस्लाम ,ईसाई ,पारसी जैसे धर्मों को देश में स्वयं सम्मानित कर अपनी मुख्यधारा में समाहित भी किया है। भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विदेश नीति के मामले में गुटनिरपेक्षता की नीति को अपना कर किसी भी गुट में न रहते हुए स्वतंत्र विकास की नीति को अपनाया था। जो कालांतर में भारत की विदेश नीति का आधार स्तंभ रहा है। भारत में बहुआयामी विविधता भी रही है। स्वतंत्रता संग्राम में राजनेताओं ने जहां एक स्वर में हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने का पक्ष लिया था वहीं दूसरी तरफ देश के कुछ हिस्सों में हिंदी विरोधी आंदोलन तक हुए हैं। भारत में संविधान में हिंदी को राजभाषा का दर्जा देते हुए कुल 22 भारतीय भाषाओं को आठवीं अनुसूची में सम्मिलित कर भाषाई सौहार्द्र और समन्वय का बखूबी परिचय भी दिया है। और भारत में भारतीय संस्कृति के बहुलतावादी चरित्र को बनाए रखने की भविष्य में भी निरंतर आवश्यकता बनी रहेगी। भारतीय समाज की विविधता पूर्ण सांस्कृतिक,साहित्यिक, दार्शनिक व्यवस्था के बीच विद्वानों ने चिंतन मनन कर किसके बीच का समाधान भी निकाला है एक का सबसे बड़ा उदाहरण भारत में सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों को महत्व देते हुए मिश्रित अर्थव्यवस्था का अंगीकार करना है। भारत की विजेताओं के विभिन्न नेताओं ने भारत देश के अंदरूनी मामले को लेकर देश की अर्थव्यवस्था सामाजिक व्यवस्था तथा राजनीतिक व्यवस्था को काफी मजबूत तथा पुख्ता भी किया है। भारत की विविधता में एकता के सिद्धांत पर चलते हुए भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था सामाजिक व्यवस्था राजनीतिक व्यवस्था तथा विदेशी नीति पर एक मजबूत आधार स्तंभ रखकर अपनी विश्व में एक अलग छवि तथा स्थान बनाया है। भारत में अनेक विविधताओं विषमताओं को विशेषता बनाकर समाधान अपने बीच ही खोज कर विश्व को एक कीर्तिमान बनाकर दिखाया है। आज भारत में इतनी बड़ी जनसंख्या और विभिन्न जातीय धर्म संस्कृति भाषाएं होने के बावजूद एकजुटता की नई मिसाल दिखाकर विश्व के किसी भी देश को टक्कर देने की स्थिति में है। भारत आज विकासशील देशों में अग्रणी देश माना जाता है। भारत की यही विविधता,विषमता ,साइंस, टेक्नोलॉजी,मेडिकल साइंस तथा सामरिक क्षेत्र में अद्भुत एकजुटता किसी भी देश के आक्रमण का सामना करने के लिए सीना तान कर खड़ा होने की शक्ति सामर्थ और ताकत भी प्रदान करता है। स्वतंत्रता के बाद भारत ने जितनी प्रगति और वैश्विक स्तर पर विदेशी देशों का विश्वास अर्जित किया है वह निसंदेह भारत की प्रजातांत्रिक लोकतांत्रिक परंपरा के कारण ही है। भारत की विविधता में एकता भारत की एक बड़ी शक्ति है जिसे हमें निरंतर बनाए रखना होगा तब जाकर हम किसी भी देश के सामने सिर उठाकर खड़े हो सकते हैं।

अचानक बारिश व सर्द हवाओं ने बढ़ाई हाड़ कपाऊ ठंड

ठंड से बचने के लिए लोग अलाव व हीटर का ले रहे सहारा

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) शुक्रवार को बादल के साथ साथ राजधानी लखनऊ में बारिश व हाड़ कंपाने वाली सर्द हवाओं के चलते लोग कपकपाते हुए दिखाई दे रहे थे। शहर में लोग ठंड से राहत पाने के लिए जहां एक ओर अलाव के आसपास बैठे दिखाई दे रहे थे वही दुकानों, सरकारी व निजी कार्यालयों व अन्य सार्वजनिक जगहों पर पर लोग भीषण ठंड से राहत पाने के लिए बिजली के हीटर के सामने बैठे हुये दिखाई दिये।शहर के रोडवेज बस स्टेशन,कैंट रेलवे स्टेशन, जिला व महिला चिकित्सालय, आचार्य नरेन्द्र देव रेलवे स्टेशन, रिकाबगंज चौराहा,चौक,रीडगंज, देवकाली बाईपास, देवकाली तिराहा, सिविल लाइन सहित नगर निगम प्रशासन द्वारा चिन्हित मुहल्लों, चौराहों व अन्य सरकारी व निजी कार्यालयों के साथ साथ अन्य स्थानों पर अलाव के पास लोग ठंड से राहत लेते हुए दिखाई दिए।बताते चलें कि जहां एक ओर लखनऊ व आसपास के जिलो में हो रही बारिश के चलते दो दिन बाद एक बार फिर अचानक हाड़ कंपाने वाली ठंड हवाओ के चलते भीषण ठंड बढ़ गई है। जिसके चलते आम जनमानस काफी ठंड से बेहाल दिखाई दे रहे थे। बताते चलें कि नगर निगम प्रशासन द्वारा महानगर में जिसमें अयोध्या कैंट में कुल 115 व अयोध्या धाम में कुल 85 स्थानों पर अलाव की व्यवस्था कराने की बात कही गई है।अगर इसकी हकीकत देखी गई तो कुछ ही जगहों पर अलाव जलते हुए दिखाई दी।जो महज खानापूर्ति ही नजर आई।

भ्रष्टाचार निवारण संगठन टीम ने लिपिक को 5 हजार घूस लेते हुए किया गिरफ्तार

1-नगर पालिका परिषद कार्यालय में मचा हड़कंप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही योगी सरकार के लाख प्रयास के बावजूद भी सरकारी महकमें घूस लेने का काम बदस्तूर जारी है। सरकारी कर्मचारी बिना टेबल के नीचे से पैसा लिए कोई भी फाइल आगे नहीं बढ़ा रहे हैं। ताजा मामला शुक्रवार का है लाइन बाजार थाना क्षेत्र के अंबेडकर चौराहे से भ्रष्टाचार निवारण संगठन वाराणसी इकाई की टीम प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार सिंह द्वारा नगर पालिका परिषद में तैनात एक लिपिक को पीड़ित द्वारा 5 हजार रुपए फाइल नामांतरण के नाम पर घूस देते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया है। टीम द्वारा तत्काल मौके पर लाइन बाजार थाने लाकर आरोपी के खिलाफ आवश्यक लिखा पड़ी कर उसे जेल भेजा जा रहा है।

नगर कोतवाली क्षेत्र के ओलन्दगंज मोहल्ले के निवासी आशुतोष अस्थाना की पत्नी रीना अस्थाना का मछलीशहर पड़ाव पर करीब एक विस्सा जमीन है , इसी जमीन को लेकर पारिवारिक विवाद चल रहा है जिसका मुकदमा दीवानी न्यायालय सिविल जज जूनियर डिवीजन शहर की न्यायालय में लंबित है। कोर्ट से स्टे भी है। कोर्ट में पत्रावली समिट करने के लिए नगर पालिका का लिपिक व न्यायालय पैरोकार संतोष राव द्वारा फाइल को न्यायालय भेजने के नाम पर 50 हजार रुपये रिश्वत मंगा था, मजबूर होकर हमने दो किस्तो में 40 हजार रुपये दे भी दिया था । इसके बाद भी उसने पत्रावली कोर्ट में समिट नही किया तथा 10 हजार रुपये और मांग रहा था । पीड़ित ने बताया कि इससे आजीज आकर मैने बीते गुरुवार को एन्टी करप्शन वाराणसी से सम्पर्क किया । टीम ने 24 घंटे के भीतर मेरे सहयोग से पांच हजार रुपये रिश्वत लेते हुए लिपिक को दीवानी कचेहरी के पास अम्बेडकर तिराहे से गिरफ्तार करके लाइन बाजार थाने पर ले जाकर लिखा पढ़ी करने के बाद जेल भेज दिया। प्रभारी निरक्षक ने बताया कि यह कार्रवाई पीड़ित आशुतोष अस्थाना के लिखित तहरीर पर की गई है आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तार करने वाली भ्रष्टाचार निवारण संगठन टीम में प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार सिंह, दरोगा राकेश बहादुर सिंह, प्रमोद कुमार,योगेंद्र कुमार,मुख्य आरक्षी शैलेंद्र कुमार राय,विनोद कुमार राय,आरक्षी आशीष शुक्ला,वीरेंद्र प्रताप सिंह,अजय कुमार यादव शामिल रहे।

बेसिक विद्यालयों में शिक्षक पदोन्नति हेतु काउंसलिंग सकुशल संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद प्रयागराज द्वारा संचालित बेसिक शिक्षा विभाग जनपद जौनपुर में कार्यरत सहायक शिक्षकों के पदोन्नति के कार्यवाही हेतु कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर के प्रांगण में काउंसलिंग आयोजित की गई। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर गोरखनाथ पटेल ने बताया कि सहायक शिक्षकों की पदोन्नति ग्रामीण क्षेत्रों में 424 शिक्षकों एवं नगर क्षेत्र हेतु 21 शिक्षकों की की जानी है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जौनपुर के प्रांगण में पदोन्नति की काउंसलिंग किए जाने हेतु 10 टेबल स्थापित किए गए थे। पदोन्नति की काउंसलिंग सुचितापूर्ण तरीके से संपन्न हुई। जलवायु में नमी एवं भीषण शीतलहर के दृष्टिगत जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉक्टर गोरखनाथ पटेल द्वारा जगह-जगह अलाव की व्यवस्था की गई थी। पदोन्नति के साथ-साथ 12460 शिक्षक भर्ती की प्रक्रिया एक साथ गतिमान होने के कारण पदोन्नति प्रक्रिया में शामिल सहायक शिक्षकों के विद्यालय आवंटन की कार्यवाही राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद एवं उत्तर प्रदेश अध्यापक सेवा नियमावली 1981 में निहित प्राविधानों के तहत पृथक से निर्गत आदेश के क्रम में पूर्ण की जाएगी।

ब्रह्मकुमारी आश्रम में छत से गिरकर युवती की मौत

अयोध्या।शुक्रवार को अयोध्या कोतवाली क्षेत्र के रायगंज स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की छत से संदिग्ध परिस्थियों में तेईस वर्षीय पूजा जायसवाल की रहस्यमय परिस्थितियों में गिरकर मौत हो गई।बताते चलें कि यह घटना शुक्रवार को सुबह 5रू30 की है।संस्था के पदाधिकारियों ने घटना के बाद माता पिता के मौजूदगी में बिना पुलिस को सूचना दिए ही किशोरी का दाह संस्कार कराने का प्रयास किया जा रहा था।सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।वहीं किशोरी की मां के मुताबिक वह कई सालों से बीमार थी। जिसका इलाज चल रहा था।पूजा मूलरूप से गोरखपुर के तारामंडल की रहने वाली थी।उनका परिवार अयोध्या के लवकुश नगर में किराए के मकान में रहता है। मृतका पूजा के पिता राजेश कुमार जायसवाल अयोध्या नगर निगम में संविदा कर्मचारी है।सुबह 5रू30 बजे आश्रम की एक महिला ने विश्वविद्यालय की बगल पूजा को सड़क पर खून से लथपथ पड़ी देखा।उसने तत्काल इसकी सूचना संस्थान प्रभारी डीके सुधा को दिया।डीके सुधा ने बताया कि घटना के बाद पूजा को श्री राम अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मृत्यु हो गई। इसके बाद घटना की जानकारी पिता राजेश और माता निर्मला को दी गई।घटना के बाद संस्था के पदाधिकारियों ने शव को वापस विश्वविद्यालय ले आए।सूचना पर पहुंचे माता-पिता के मौजूदगी में नया घाट पर शव का अंतिम संस्कार करने की तैयारी करने लगे। इसी दौरान घटना की सूचना किसी ने पुलिस को दी।सीओ अयोध्या एसपी गौतम ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दियान।

माघ मेला क्षेत्र में अग्निशमन विभाग नें की सरप्राइज फायर मॉक ड्रिल

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)। मीडिया सेल माघ मेला प्रयागराज के मुताबिक गुरुवार को माघ मेला एसएसपी डॉ राजीव नारायण मिश्र के निर्देश पर माघ मेला प्रयागराज के क्षेत्र में अग्निशमन विभाग द्वारा आग लगने पर की जाने वाली कार्यवाही की तैयारी परखने तथा सभी पुलिस अधिकारियोंध कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा हेतु प्रशिक्षित करने के लिए श्सरप्राइज फायर मॉक ड्रिलश का आयोजन किया गया।इस मौके पर अग्निशमन विभाग की टीम के द्वारा मॉक ड्रिल एवं अग्नि रोकथाम श्डेमोश के दौरान फायर सर्विस कर्मियों का घटनास्थल पर पहुंचने का रिस्पांस बहुत अच्छा रहा मेला क्षेत्र में कहीं भी आग की घटना होने पर रिस्पांस टाइम के साथ उस पर काबू पाने के संबंध में एबीसी टाइप फायर एस्टिंग्यूशर व कार्बन डाइऑक्साइड एस्टिंग्यूशर का डेमो भी कर के दिखाया गया द्यइस दौरान नोडल पुलिस अधिकारी माघ मेला श्रद्धा नरेंद्र पांडे व मुख्य अग्निशमन अधिकारी माघ मेला सुभाष कुमार चौधरी सहित अन्य अग्निशमन एवं पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

महापौर ने विश्व में अयोध्या को सबसे स्वच्छ नगरी बनाने का चलाया अभियान

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) 22 जनवरी को प्रभु श्री राम लला अपने भव्य मंदिर में विराजमान होंगे। जिसके महोत्सव तैयारी प्रारंभ हो गई है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रभु श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे और पूरे देश से 7000 अतिथि अयोध्या में उपस्थित होकर के प्रभु श्री राम लला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की साक्षी बनेंगे। ऐसे में पूरी अयोध्या स्वच्छ और सुंदर दिखें इसके लिए यूको बैंक और अयोध्या नगर निगम की संयुक्त तत्वाधान में महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी के संयोजकत्व में अयोध्या के फैजाबाद चौक क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया कर झोला वितरण किया गया। जिससे अयोध्या पूरी देश के सबसे सुंदर शहर में प्रथम स्थान पा सके।

महापौर गिरीशपति त्रिपाठी में बताया कि भारत ही नहीं बल्कि विश्व में जितने सनातन धर्म और प्रभु श्री राम में आस्था रखने वाले लोग हैं, उनकी निगाह अयोध्या पर है। इसीलिए नगर निगम के साथ यूको बैंक के द्वारा आज चौक क्षेत्र में स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा इसके साथ व्यापारियों को नागरिकों को अयोध्यावासियों को झोला वितरण किया गया। जिससे आम जनमानस सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग बंद करें व अपनी रोजमर्रा के सामान झोले में लेकर के आए। जिंससे हम सबके सहयोग से भगवान श्री राम की जन्म स्थली अयोध्या को भारत ही नहीं बल्कि विश्व की सबसे सुंदर नगरी बना सकें।इस अवसर पर पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष विजय गुप्ता, भाजपा के मंडल अध्यक्ष आलोक द्विवेदी, पार्षद राजेश गौड़, शोभित कपूर, धर्मेंद्र मिश्रा, सुनील यादव, आरिफ आब्दी, मोहम्मद वसीम, रमेश गुप्ता राणा श्रीनिवास शास्त्री आदि लोग मौजूद रहे।

राम मंदिर आंदोलन में बाबू कल्याण सिंह जी का योगदान अतुलनीय है : अजीत सिंह बब्बन

हरदोई(अंबरीश कुमार सक्सेना) भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे स्वर्गीय बाबू कल्याण सिंह की जयंती पर भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने की।

श्रद्धांजलि सभा में मौजूद पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पुष्पांजलि कर स्वर्गीय कल्याण सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने अपने संबोधन में कहा बाबू कल्याण सिंह ने उत्तर प्रदेश में पार्टी को बूथ स्तर तक मजबूत किया तमाम किसानों गरीबों पिछड़ों को पार्टी से जोड़ा।

राम मंदिर आंदोलन में बाबूजी का योगदान अतुलनीय है उन्होंने राम के नाम पर सत्ता को ठोकर मार कर रामकाज में अपनी निष्ठा सिद्ध की।

उत्तर प्रदेश पार्टी अध्यक्ष तथा मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकर्ताओं से उनका लगाव जबरदस्त था।

आज जब देश व प्रदेश में मोदी एवं योगी के नेतृत्व में हमारी सरकार अंत्योदय के लक्ष्य के लिए कार्य कर रही हैं यही बाबूजी की आत्मा को सच्ची श्रद्धांजलि है।

22 जनवरी को जब प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में अयोध्या में नवनिर्मित भव्य मंदिर में रामलाल की प्राण प्रतिष्ठा होगी तो तो स्वर्ग में मौजूद बाबूजी की आत्मा तृप्त होगी।

इसके साथ ही जिला अध्यक्ष ने बाबू कल्याण सिंह के कई संस्मरण साझा कर पुरानी यादें ताजा की।

श्रद्धांजलि सभा को पूर्व जिला अध्यक्ष विद्याराम वर्मा राम बहादुर सिंह जिला उपाध्यक्ष राजेश अग्निहोत्री संदीप सिंह क्रय विक्रय संघ के अध्यक्ष सुशील अवस्थी ने भी संबोधित कर संस्मरण सुनाये। संचालन कार्यक्रम के संयोजक महामंत्री सत्येंद्र राजपूत ने किया।

प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष प्रीतेश दीक्षित जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा ओम वर्मा जिला मंत्री अविनाश पांडे अजय शुक्ला मीना वर्मा राम नंदिनी नीतू चंद्रा मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक प्रचार मंत्री संदीप अवस्थी कार्यालय मंत्री अतुल सिंह आजाद भदोरिया अविनाश मिश्रा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष अलका गुप्ता सत्यम शुक्ला नगर उपाध्यक्ष निधि सिंह सुमित त्रिपाठी नगर महामंत्री पंकज सिंह हर्षित मिश्रा अनुराधा मिश्रा सुहाना जैन परिषा तिवारी आदि मौजूद रहे।

विवाहिता ने मायके में लगाई फाँसी हुई मौत

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बक्शा थाना क्षेत्र के चक पनिगासन गांव में गुरुवार की रात्रि अपने मायके में रह रही विवाहिता युवती ने फाँसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए पीएम हेतु भेज दिया। उक्त गांव निवासी राजबली यादव की 24 वर्षीय पुत्री शकुंतला यादव की शादी करीब डेढ़ वर्ष पूर्व हुई थी। शकुंतला इस समय अपने मायके में ही रह रही है। सुबह परिजनों ने शकुंतला के न उठने पर आवाज दी तो कमरे के अंदर से कोई हरकत न देख लोगों ने अनहोनी की आशंका से दरवाजा तोड़ देखा तो शकुन्तला दुपट्टे के सहारे फाँसी लगा झूल रही थी। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। उपनिरीक्षक अनिल कुमार ने पहुँच आवश्यक लिखापढ़ी कर शव को पीएम हेतु भेज दिया। घटना का कारण परिजन भी नही बता पा रहें है।

टेंट सिटी व हवन कुंड स्थल पर विशेष सावधानी को लेकर आईजी व एसएसपी नहीं छोड़ रहे कोर कसर

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के दौरान अतिथियों को किसी भी तरह की परेशानियों का सामना न करना पड़े वही इस दौरान कोई बाधा ना उत्पन्न हो इसके लिए प्रशासन कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा है। इसके लिए प्रतिदिन आईजी प्रवीण कुमार एसएसपी राज करन नय्यर बैठक कर प्राण प्रतिष्ठा से संबंधित समीक्षा बैठक कर रहे हैं।वहीं ये सभी आलाधिकारी कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण करने के साथ साथ टेंट सिटी व हवन कुंड का बारीकी से निरीक्षण कर रहे हैं।निरीक्षण के दौरान आईजी प्रवीण कुमार एसएसपी राज करन नय्यर, एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह, सीएफओ एमपी सिंह ने वहां पर मौजूद निर्माण कार्य करा रहे संबंधित अधिकारियों व कर्मियों को यहां पर हो रहे कार्य में किसी भी तरह की चूक न हो यह निर्देश दिए।बताते चलें कि 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के दिन यहां पर कई कार्यक्रम ऐसे सम्पन्न होने है।जहां पर सावधानी बरतनी होगी।जिसमें खास कर हवन कुंड स्थल को बहुत ही अति संवेदनशील में माना गया है क्योंकि वहां पर घास फूस से छप्पर तैयार किए जा रहे हैं।जिसके चलते वहां पर हवन के दौरान सावधानी बरतनी बहुत ही जरूरी है इसके लिए बीच-बीच में ये सभी अधिकारी हवन कुंड व टेंट सिटी स्थल का निर्माण कर रहे लोगों से यही अपील कर रहे हैं कि इसका निर्माण बहुत ही सावधानी से हो।क्योंकि हवन करते समय विशेष सावधानी रखने की जरूरत रहेगी।जिसके चलते जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन के आलाधिकारी दिन में कई बार इस तरह की संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण करते हुए वहां पर मौजूद संबंधित कर्मियों व आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए दिखे।

चित्रकूट में 23.32 करोड़ रुपये की लागत से बनेगी मल्टीलेवल कार पार्किंग

संवाददाता

लखनऊ। वनवास के समय भगवान श्रीराम का अधिकांश समय चित्रकूट में ही गुजरा, चित्रकूट का कण कण राममय है। यहां पर राम, लक्ष्मण एवं माता जानकी से जुड़े दर्शनीय स्थल हैं। प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल होने के कारण चित्रकूट में देशी एवं विदेशी श्रद्धालु भ्रमण के लिए आते रहते हैं। पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए सीतापुर स्थित रामघाट के पास मल्टीलेबल कार पार्किंग का निर्माण किये जाने का निर्णय लिया गया है। 23.32 करोड़ रूपये की धनराशि स्वीकृत की गई है और इसके सापेक्ष प्रथम किश्त के रूप में 05 करोड़ रूपये जारी करा दिये गये हैं। प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मल्टीलेबल कार पार्किंग का निर्माण व बुनियादी सुविधायें विकसित हो जाने से पर्यटकों की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी होगी। मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम ने वनवास काल में मंदाकिनी नदी में स्नान किया था, इसलिए इस स्थल का धार्मिक, ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व है। दूर-दूर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन और पूजन के लिए आते हैं।

तीन दिवसीय स्वर्ण संगीत नाट्य समारोह 23 जनवरी से

संवाददाता

लखनऊ। सामाजिक, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक संस्था स्वर्ण संगीत एवं नाट्य समिति के तत्वावधान में आगामी 23 जनवरी 2024 से 25 जनवरी 2024 तक तीन दिवसीय स्वर्ण संगीत नाट्य समारोह का आयोजन वाल्मीकि रंगशाला उ. प्र. संगीत नाटक अकादमी गोमती नगर, लखनऊ में किया जाएगा। इस बात की जानकारी संस्था की अध्यक्ष स्निग्धा मुखर्जी ने दी।

यूपी में और बढ़ने वाली है ठंड, घने कोहरे और कोल्ड डे को लेकर इलाकों में अलर्ट जारी

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बर्फीली हवाओं के चलते कड़ाके की सर्दी पड़ रही है। फिलहाल सर्दी से कोई राहत मिलती हुई नजर नहीं आ रही है। मौसम विभाग मुताबिक, आज प्रदेश भर में कोल्ड डे रहने के आसार हैं। ऐसे में मौसम केंद्र की ओर से प्रदेश को लेकर एक बड़ी चेतावनी जारी की गई है। जिसके मुताबिक गुरुवार और शुक्रवार को प्रदेश सबसे ठंडा रहने वाला है। विभाग ने प्रदेश के कई इलाकों में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। साथ ही आगामी सात जनवरी तक कहीं-कहीं बूंदाबांदी और हल्की बारिश के आसार जताया है। गोंडा, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, लखनऊ, बाराबंकी, अयोध्या, सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुर, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, कासगंज, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बदायूं एवं आसपास इलाकों में मौसम विभाग ने कुहरा होने की संभावना जताई गई है। सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर एवं आसपास इलाकों में शीत दिन होने की संभावना है।

सीएसआईआर जिज्ञासा ने ईपीआईसी हैकथॉन किया लॉन्च : विज्ञान से विकसित भारत के लिए विद्यार्थियों के नवाचार एवं रचनात्मकता को सशक्त बनाना

सीएसआईआर जिज्ञासा द्वारा ईपीआईसी हैकथॉन-2024: वैज्ञानिक रूप से सशक्त भारत के लिए नवीन समाधानों का प्रवेश द्वार

सीएसआईआर ईपीआईसी हैकथॉन-2024: स्वास्थ्य, स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा में स्थायी समाधान का मार्ग प्रशस्त करता है

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारतीय औद्योगिक एवं वैज्ञानिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) ने 5 जनवरी, 2024 को जिज्ञासा कार्यक्रम के तहत ईपीआईसी (एम्पावरिंग प्यूपिल इनोवेशन एंड क्रिएटिविटी) हैकाथॉन की शुरुआत की। इस ईपीआईसी इवेंट का विषय है षविज्ञान से विकसित भारतष– जिससे विद्यालय के छात्रों में जिज्ञासा, नवाचार एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण की सांस्कृतिक विकसित की जा सकेगी।

ऑनलाइन लॉन्चिंग कार्यक्रम के दौरान, सीएसआईआर–एचआरडीजी की प्रमुख डॉ. गीता वाणी रायसम ने छात्रों के बीच वैज्ञानिक जिज्ञासा को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए सीएसआईआर जिज्ञासा कार्यक्रम के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होंने कहा कि सीएसआईआर जिज्ञासा कार्यक्रम से 5 लाख से अधिक छात्र और शिक्षक लाभान्वित हुए हैं। आईआईएम बैंगलोर के निदेशक प्रोफेसर ऋषिकेश टी कृष्णा ने पोर्टल लॉन्च किया और मुख्य भाषण दिया। उन्होंने अगली पीढ़ी के वैज्ञानिकों और नवप्रवर्तकों को प्रेरित करने में ईपीआईसी पहल के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नवप्रवर्तन कोई एक बार की गतिविधि नहीं है, आपको इसे एक ऐसी क्षमता के रूप में विकसित करना चाहिए जिसका उपयोग आप जीवन भर कर सकते हैं। उन्होंने उत्कृष्ट नवाचार के लिए छात्रों को समाज की सही समस्या को चुनने और उसे बेहतर तरीके से हल करने को कहा। कार्यक्रम में सीएसआईआर–सीडीआरआई लखनऊ की निदेशक डॉ. राधा रंगराजन ने "एक स्वास्थ्य" की अवधारणा पर केंद्रित ज्ञानवर्धक जानकारी दी। उन्होंने प्रतिभागियों का ध्यान रोगाणुरोधी प्रतिरोधी (एएमआर) की ओर आकर्षित किया, जो दुनिया भर में एक मूक महामारी है। उन्होंने एएमआर को समाप्त करने के विचार दिए एवं छात्रों से नए नवाचार के साथ ईपीआईसी मे भाग लेने को कहा। सीएसआईआर–आईएमएमटी के निदेशक डॉ. रामानुजन नारायण ने स्वच्छ और हरित ऊर्जा पर गहन चर्चा की और छात्रों को स्थायी समाधान तलाशने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने छात्रों को हरित ऊर्जा, हाइड्रोजन का भविष्य के ईंधन के रूप में उपयोग एवं कई अन्य चीजों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, छात्रों को बस हमारे आसपास की प्रकृति का निरीक्षण करने, सही समस्या को महसूस करने और अपने नवीन विचारों के साथ आने की जरूरत है और सीएसआईआर आपके विचारों को वैज्ञानिक रूप से मान्य करने में आपकी मदद करता है।

'ईपीआईसी हैकाथॉन के लिए आवेदन 5 जनवरी से 5 फरवरी, 2024 तक खुले रहेंगे। शीर्ष 100 आवेदकों को ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में भाग लेने और प्रमुख वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में अपने विचारों पर काम करने का अवसर मिलेगा। शीर्ष 5 विजेताओं को 26 सितंबर, 2023 को सम्मानित किया जाएगा।'

हैकथॉन के लिए प्रस्तुत प्रोजेक्ट षस्वच्छ एवं हरित ऊर्जा और एक स्वास्थ्यष विषय पर केंद्रित होनी चाहिए। प्रोजेक्ट सबमिशन का वर्गीकरण जूनियर (कक्षा 7 से 9) और सीनियर (कक्षा 10 से 12) स्तरों में किया जाएगा। सीएसआईआर छात्रों को अपनी रचनात्मकता को उजागर करने एवं सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने और जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने वाले अभिनव समाधानों में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित करता है। ईपीआईसी में भाग लेने से, छात्र उज्जवल और अधिक सतत भविष्य के लिए आवश्यक वैज्ञानिक प्रगति में अभिन्न योगदानकर्ता बन सकते हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे क्षेत्रीय परामर्श दात्री समिति के सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव ने डीआरएम को दिया ज्ञापन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे क्षेत्रीय परामर्श दात्री समिति के सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव ने देवी पाटन मण्डल के अन्तर्गत विभिन्न रेलवे स्टेशनों से रेल यात्रा करने वाले रेल यात्रियों की सम्बधित समस्याओं के परिपेक्ष्य में मण्डल रेल प्रबंधक को विभिन्न सुझाव दिया है।

जेड. आर. यू .सी. सी. सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव ने मण्डल रेल प्रबंधक आदित्य कुमार जी से मिलकर सर्वागीण विकास के दृष्टिगत गोंडा जंक्शन रेलवे परिक्षेत्र को अमृत भारत योजना में सम्मलित किये जाने, श्री राम जन्म भूमि अयोध्या धाम जंक्शन के लिए मेलध्सवारी रेल गाड़ियों का संचालन शुरू करने देवीपाटन मण्डल वासियों हेतु काशी विश्वनाथ की धर्म नगरी वाराणसी एवं तीर्थ स्थल प्रयागराज आवागमन के लिये रेल सुविधा संचालित किए जाने,गोंडा जंक्शन पर सप्तक्रांति एवं सम्पर्क क्रांति का ठहराव कराने, 15065ध्15066,15067ध्15068,15079ध्15080 को गोरखपुर से बढ़नी बलरामपुर वाया गोंडा एवं मनकापुर, अयोध्या धाम होकर पनवेल तक चलाये जाने हेतु जनहित में निराकरण के लिए आग्रह किया है, मण्डल रेल प्रबंधक ने विचार करते हुए भाजपा नेता पंकज कुमार श्रीवास्तव को आश्वस्त किया।

सीएम योगी आदित्यनाथ से मिले केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान

संवाददाता

लखनऊ। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से आज केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने शिष्टाचार भेंट की।मुख्यमंत्री ने भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा भेंट कर धर्मेन्द्र प्रधान का स्वागत किया। केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के लखनऊ दौरे को उत्तर प्रदेश में मंत्रिमण्डल विस्तार से जोड़कर देखा जा रहा है। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह और भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री शिव प्रकाश लखनऊ में हैं।

जन चौपाल में जिलाधिकारी ने तीन कर्मियों को दिया प्रतिकूल प्रविष्टि

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सिकरारा के गोनापर गांव स्थित शांति उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शुक्रवार को लगे जन चौपाल में गांव के विकास कार्यों की जमीनी हकीकत देखी। ग्रामीणों की समस्याओं को सुना तथा समस्याओं के समाधान हेतु संबंधित विभाग केअधिकारियों को आदेश दिया। ग्रामीणों की शिकायत पर जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने। डीपीआरओ नाथू राम को एक एडीओ पंचायत, सचिव व एक अन्य ब्लाक कर्मी को प्रतिकूल प्रविष्ट देने का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी व सीडीओ सीलम साई तेजा के साथ उक्त गांव के लोगो से शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी लेते हुए उपस्थित जनता से उसका सत्यापन करा रहे थे। एडीओ पंचायत विवेकानन्द यादव व सचिव अखिलेश सरोज और पंचायत सहायक से एक एक कर स्वछता मिशन के तहत गांव में शौचालयों के फीडिंग व सत्यापन के सम्बंध प्रगति रिपोर्ट पूछा। संतोषजनक जबाब न मिलने पर जिलाधिकारी ने ब्लाक के तीन कर्मियों को प्रतिकूल प्रविष्टि देने का निर्देश देते हुए बीडीओ सर्वेश मोहन श्रीवास्तव को निर्देशित किया गया कि शौचालय के सभी पात्रों का आवेदन लेते हुए आज शाम तक अवगत कराए। जन चौपाल में स्वास्थ्य विभाग, जिला प्रोबेशन विभाग, खाद्य रसद विभाग सहित विभिन्न विभागों के द्वारा अपने विभाग से संबंधित योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान विभागों द्वारा कैंप लगाकर लोगों के आवेदन प्राप्त किए गए। जन चौपाल के दौरान प्रधानमंत्री आवास के 12 प्रार्थना पत्र ,वृद्धावस्था पेंशन योजना के 11, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन के 02–02 और स्वच्छ शौचालय के 06 ,आयुष्मान कार्ड के 19 नए प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी के द्वारा संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र को हस्तांतरित करते हुए निर्देशित किया गया कि पात्रता की जांच करते हुए पात्रों को लाभ देने का कार्य करें। चौपाल में हर घर नल का जल योजना की प्रगति के बारे में विभाग के अवर अभियंता ने बताया कि चालीस प्रतिशत कार्य हो चुका है,आयुष्मान कार्ड योजना के सम्बंध में प्रभारी चिकित्साधिकारी एसके पटेल ने विस्तार से जानकारी दी इसके साथ ही जिला प्रोवेशन अधिकारी विजय कुमार पांडेय, समाज कल्याण अधिकारी नीरज पटेल ने विकलांग, विधवा व बृद्धा पेंशन योजना के लाभार्थियों बारे में जानकारी दिया। बीडीओ सर्वेश मोहन श्रीवास्तव ने बताया कि गाँव मे 59 इंडिया मार्का 2 हैंडपंप लगे है सभी चालू हालत में है एक हैंडपम्प से पीला पानी आ रहा है उसके मरम्मत करने को कहा गया है। चौपाल में आंगनबाड़ी, कृषि विभाग, शिक्षा विभाग, समूह सखी, स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगे स्टालों पर जाकर जिलाधिकारी ने प्रगति रिपोर्ट ली।इस मौके पर पांच उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को गैस चूल्हा, सिलेंडर तथा पांच आवास योजना के लाभार्थियों को प्रतीक स्वरूप आवास की चाभी व पांच को आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया। इस मौके पर डीडीओ विजय कुमार यादव, एडीओ आइएसबी के के मिश्रा, एसडीओ एस पी पटेल, सचिव प्रदीप शंकर श्रीवास्तव, राजकुमार पाण्डेय सहित तमाम विभागों के कर्मी व अधिकारी मौजूद रहे।

दरोगा पर कार्यवाही के लिए बैंक मैनेजर ने मुख्यमंत्री से लगाई गुहार

जफराबाद में तैनात दरोगा पर बैंक मैनेजर के साथ दुर्व्यवहार करने का है आरोप

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद थाना अंतर्गत बैंक मैनेजर के साथ दुर्व्यवहार करने वाले दरोगा की शिकायत मुख्यमंत्री तक पहुंच गई। बैंक मैनेजर ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री पोर्टल के माध्यम से मुख्यमंत्री से शिकायत करके दरोगा के विरुद्ध कार्रवाई की मांग किया है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया नेहरू नगर शाखा कल्यानपुर के प्रबन्धक अभय प्रताप सिंह ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराया है कि जफराबाद थाने पर तैनात दरोगा संजय कुमार ने बीते दो जनवरी को शाम करीब सात बजे बेवजह बैंक के कर्मचारियों को गाली देनें लगें। जब बैंक मैनेजर ने दरोगा को गाली देने से माना कि तो दरोगा जी उनके साथ भी दुर्व्यवहार करने लगें। इस मामले में बैंक मैनेजर ने अपने उच्चाधिकारियों से शिकायत किया था।2 जनवरी को शाम की घटना के बाद वह घर चले गए। 3 जनवरी को उनके ससुर की तेरहवीं थी। इसलिए वह 2 दिन छुट्टी पर थे। आज आने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री पोर्टल के माध्यम से सीएम से शिकायत कर दरोगा के विरुद्ध कार्रवाई की मांग किया है। हल्का दरोगा संजय कुमार पर गाली गलौज का यह दूसरा मामला सामने आया है इससे पहले 30 दिसंबर को हौज पोखरा निवासी पीड़ित अब्दुल ने भी दरोगा संजय कुमार के ऊपर गाली देने और दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया है।

पत्रकारिता से हटकर समाज सेवा भी कर रहा पत्रकार संघ : अनुज कुमार झा

निर्धन छात्रों को चिन्हित कर की जाए मदद : ज्ञान प्रकाश सिंह

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सरकार निर्बलों की सहायता के लिए अनेक कार्यक्रमों का संचालन कर रही है। यदि इसमें समाज के लोग भी हाथ बटाने लगे तो कार्यक्रम निश्चित रूप से और अधिक भव्य हो जाएगा। उक्त विचार जिलाधिकारी अनुज कुमार झा ने जौनपुर पत्रकार संघ द्वारा आयोजित कंबल वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हर्ष की बात है कि जौनपुर पत्रकार संघ मात्र समाचारों के आदान–प्रदान तक ही सीमित न रहकर समाज सेवा के कार्यों में बढ़–चढ़कर योगदान कर रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे समाजसेवी और भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि सक्षम लोगों को समाज सेवा का कार्य अवश्य करना चाहिए। उन्होंने निर्धन छात्रों को उनकी पढ़ाई लिखाई में आर्थिक मदद किए जाने की आवश्यकता पर बोल दिया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को कंबल वितरित किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में अतिथिगण द्वारा मां शारदा के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन किया गया। अतिथि मुख्य विकास अधिकारी साईं सिलम तेजा, जिलाधिकारी अनुज कुमार झा, पेट्रोलियम वितरक संघ के अध्यक्ष प्रदीप सिंह सफायर, वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह आदि को स्मृति चिन्ह बुके एवं अंग वस्त्रम देकर सम्मानित किया गया। आगंतुकों का अभिवादन जौनपुर पत्रकार संघ के अध्यक्ष शशि मोहन सिंह तथा संचालन महामंत्री डॉक्टर मधुकर तिवारी ने किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार लोलारख दुबे, रामदयाल द्विवेदी अखिलेश तिवारी अकेला, जेड हुसैन (बाबू), राजेश मौर्या विनोद विश्वकर्मा ओमप्रकाश सिंह राजीव पाठक बेहोश जौनपुरी आदि लोग उपस्थित रहे।

ऊं मंत्र से ही परमात्मा की प्राप्ति संभव - सोहम महाराज जी

देश की उपासना जिला संवाददाता डॉ तिवारी को यथार्थ गीता किताब लेकर किया सम्मानित

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)। मंत्र के उच्चारण से ही परमात्मा की प्राप्ति हो सकती है।इसके लिए हमें आवसान मुद्रा में बैठकर तथा पांचों ज्ञानेंद्रियों को नियंत्रित कर ऊं का उच्चारण करना होगा।इसके लिए हमे जाकर ईश्वर की प्राप्ति होगी।यह बातें परम पूज्य स्वामी श्री अड़गड़ानंद जी महाराज के शिष्य परम पूज्य सोहम महाराज जी ने कही।उन्होंने बताया कि अगर अगर सभी परमात्मा को प्राप्त करना चाहते हैं तो हमे अपने मन को एकाग्र करके योग साधना करना होगा और ऊं का उच्चारण करना होगा। तब आप सभी को अंदर से शांति का अनुभव महसूस होगा वहीं परमात्मा है। उन्होंने यथार्थ गीता के महत्व को बताते हुए कहा कि इस ग्रंथ में आत्मा से परमात्मा के मिलन का रास्ता बताया गया है। उनके मुताबिक इस ब्रह्मांड में ईश्वर एक है जिसे हम सहज योग के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। उनके मुताबिक सहज योग ही आत्मा से परमात्मा के मिलन एक मात्र मूल मंत्र है। उन्होंने बताया कि सबसे पहले हम सभी को अपने पांचों ज्ञानेंद्रियों को नियंत्रित करना होगा, उसके बाद हमे सहज योग के दौरान ऊं मंत्र का उच्चारण करना होगा।तब कहीं जाकर हमें परमात्मा की प्राप्ति होगी। इस मौके पर उन्होंने देश की उपासना हिंदी समाचार पत्र के ब्यूरो चीफ राजेश श्रीवास्तव व जिला संवाददाता डॉ अजय तिवारी को यथार्थ गीता किताब देकर सम्मानित किया।

चोरी की तीन बाइक सहित तीन गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जलालपुर। पुलिस अधीक्षक अजय पाल शर्मा के द्वारा अपराधियों एवं वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी की विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक की निर्देशन में क्षेत्राधिकारी केराकत गौरव शर्मा के निर्देशन में वाहन चेकिंग कर रहे थे चेकिंग के दौरान राजेश यादव प्रभारी निरीक्षक जलालपुर को मुखबिर से सूचना के दौरान तीन बाइक चोर पकड़े गए जिन्होंने अपना नाम प्रदीप कुमार पुत्र लल्लन निवासी जामसर थाना चंदवक,अखिलेश गौतम लुल्लूर पुत्र विजय कुमार निवासी सरकोनी गडहर थाना जलालपुर नीरज कुमार पुत्र जगधारी निवासी ग्राम दरवेशपुर थाना जलालपुर वाहन चेकिग अभियान में पुलिस को वाहन चोर गिरोह के सदस्य पकड़ने में सफलता मिली है। तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार कर पुलिस ने उनके कब्जे से तीन मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। गिरफ्तारी टीम में उप निरीक्षक रामनिवास उपनिषद घनश्याम पांडे हेड कांस्टेबल भानु प्रताप सिंह लव कुमार सिंह मानस तिवारी मनोज यादव चंदन तिवारी आदि रहे।

सड़क दुर्घटना में बेटी,दामाद,मां और नातिन की मौत

घटना से परिजनों में मचा कोहराम

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। महाराजगंज क्षेत्र के एक गांव निवासी एक ही परिवार के लोग बडौदा गुजरात में प्रवास करते है ।मुंबई शिरडी साइ बाबा दर्शन करने गये थे जहा से बड़ौदा वापस लौट रहे थे । परिजनो ने बताया गुरुवार देर शाम लगभग 8रू00 बजे अहमदाबाद,मुंबई बॉर्डर सापुतारा के पास पहुंच कार खड़ी कर रुके थे इसी बीच लकड़ी लदा ट्रक आ गया जिसका टायर भ्रष्ट होने से अनियंत्रित होकर कार पर पलट गया जिसमें सवार पांच में से चार लोगों की मौके पर मौत हो गई । एक गंभीर रूप से घायल हैं जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है सूचना पर परिजन,ग्रामीण,रिश्तेदार घटनास्थल पर पहुच गये वहीं घटना से परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है

क्षेत्र के उदयभानपुर निवासी तालुकदार सिंह के पुत्र राम आसरे सिंह अपने परिवार के साथ बडौदा गुजरात रहते है । जहा से एक कार में सवार दामाद 32 वर्षीय अमित कुमार सिंह,28 वर्षीय पुत्री प्रियंका सिंह,75 वर्षीय माता रमना देवी पत्नीतालुकदार सिंह,48 वर्षीय पत्नी मीरा देवी व 4 4 वर्षीय नातिन दर्शन के लिए मुंबई शिरडी साइन बाबा गये थे जहां से बड़ौदा वापस लौट रहे थे मुंबई अहमदाबाद बॉर्डर सापूतारा के पास कार खड़ी कर रुके थे इसी बीच लकड़ी लदा ट्रक आ गया जिसका टायर भ्रष्ट हुआ जिससे ट्रक अनितंत्रित होकर पलट गया । कार में दबने से बेटी,दामाद,मां और नातिन की मौके पर ही मौत हो गई वहीं पत्नी गंभीर रूप से घायल है । घटना की सूचना पर परिजन,रिश्तेदार और ग्रामीण घटनास्थल पर पहुच गये। लोगों का रो रोकर बुरा हाल है।

लखनऊ में 8 महीने बाद कोरोना संक्रमित की मौत

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना का ग्राफ एक बार फिर से बढ़ता दिख रहा हैं। लखनऊ में कोरोना संक्रमित बुजुर्ग महिला की मौत के बाद से एक्सपर्ट्स नए वैरिएंट को लेकर ज्यादा अलर्टनेस बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। हालांकि बुजुर्ग महिला के सैंपल में अभी तक जेएन. 1 की पुष्टि अभी तक नही हो पाई हैं। इस बीच गुरुवार सुबह आई रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश में कुल एक्टिव केस की संख्या 25 हैं। 24 घंटे में 5 नए कोविड पॉजिटिव मरीज मिले हैं। लखनऊ में इससे पहले अप्रैल 2023 में कोरोना संक्रमित महिला की लोहिया संस्थान में मौत हुई थी। करीब 8 महीने बाद एसजीपीजीआई में मंगलवार को बुजुर्ग संक्रमित महिला की मौत रिपोर्ट हुई हैं।

महानिदेशक, निदेशक से फार्मेसिस्ट फेडरेशन का प्रतिनिधिमंडल मिला, जल्द नियुक्तियां करने की मांग की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य सेवाएं उत्तर प्रदेश डॉ बृजेश राठौर से फार्मेसिस्ट फेडरेशन के अध्यक्ष सुनील यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की , जल्द नियुक्तियां करने का आग्रह किया । निदेशक पैरामेडिकल डॉ. सुषमा सिंह, विशेष कार्य अधिकारी वेद प्रकाश यादव से भी शिष्टाचार मुलाकात की गई । ज्ञातव्य है कि प्रदेश में फार्मेसिस्ट के हजारों पद रिक्त हैं, माननीय उच्चतम न्यायालय ने भी नियुक्ति के आदेश दिए हैं ।

प्रतिनिधिमंडल में अशोक कुमार महामंत्री, राजेश सिंह संगठन मंत्री, यूथ विंग के अध्यक्ष आदेश कृष्ण, उपाध्यक्ष देवेंद्र कुमार , संविदा संघ के अध्यक्ष प्रवीण यादव आदि उपस्थित थे।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।